JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

ग्रामीण विकास के लिए संचालित विशिष्ट योजनाओं का विश्लेषनात्मक अध्ययन (मध्यप्रदेश के बैतूल जिले मै कृषि विकास के विशेष संदर्भ)

1 आशीष कुमार धोटे 2 डाक्टर राम सिंह कुशवाह 3 डाक्टर प्रीति नायक 4 डाक्टर श्वेता त्रिपाठी मध्यांचल प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल

संक्षेपिका–

मध्यप्रदेश दूसरा एक प्रगतिशील कृषि प्रधान राज्य है अपने गठन के बाद से विगत छः दशक में वहीं की कृषि ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जिला राज्य के समृद्ध कृषि जिलों में से एक है। यहाँ की कृषि विकास योजनाओं का जिले की ग्रामीण विकास की योजनाओं के परिपेक्ष्य में विश्लेषण संयुक्त वृद्धि दर एवं प्रतीपगमन विश्लेषण के माध्यम से किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट है कि विभिन्न कृषि योजनाओं के विस्तार से राज्य के सकल घरेलू उत्पाद पर कृषि विकास योजनाओं की हिस्से दारी बढ़ायी जाने की आवश्यकता है।

प्रमुख शब्द– मध्यप्रदेश राज्य (बैतूल) जिला कृषि विकास, प्रतीपगमन विश्लेषण

स्वतन्त्रता प्राप्ति के समय कृषि क्षेत्र ही भारतीय जनता की आजीविका का प्रमुख आधार था आधारिक व्यवसाय होने के कारण स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् यह अनुभव किया गया कि देश आर्थिक विकासकृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था विकास में ही निहित है।

1951 में आरम्भ होने वाली प्रथम पंचवर्षीय योजना में । कृषि विकास को योजना के वरीयता क्रम में सर्वोपरि स्थान दिया गया। 1966–67 के दौरान कृषि की का नवीन पद्धति का प्रादुर्भाव हुआ था. सन् 1980 तक के पूरे देश में इसका प्रचलन विस्तृत हो गया जिसके परिणामस्वरुप 1981 में कुल खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर लगभग 105 मिलियन टन हो गया। 2011 में कुल उत्पादन लगभग 230 मिलियन टन रहा। यहाँ उल्लेखनीय है कि कृषि का सकल घरेलू उत्पाद में जो हिस्सा सन् 1980–81 में लगभग 35 प्रतिशत था 1990–91 में घटकर 22.2 प्रतिशत हो गया

भारत आजादी के सात दशको बाद भी गांवो का देश है आजादी के बाद से आज तक भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए है। भारत के तेजी से बढ़ने वाले राज्यों में से एक मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य हैं। योजनाबद्ध दोहन से राज्य प्रगति के नये सोपान की ओर अग्रसर हो रहा है। सामाजिक जीवन के किसी भी पक्ष में होने वाले **परिवर्तनो** में ग्रामीण विकास योजनाओं की अहम् भूमिका है। मध्यप्रदेश राज्य विद्युत के क्षेत्र में अग्रणीय है। विभिन्न निजी कंपनियों के द्वारा ऊर्जा का निर्माण कर रहे हैं। नवम्बर 1956 को मध्यप्रदेश भारत के नवोदित राज्य के रूप में स्थापित हुआ जिसकी राजधानी भोपाल है। शासन द्वारा सभी वर्गों विशेषकर गांव एवं गरीब और किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएँ और कार्यक्रम बनाये गये एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के प्रयास सरकार द्वारा किये जा रहे है

छोटे–छोटे गावों के कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित कर कृषि की उन्नत फसले. विभिन्न तकनीकी से विकसित की जा रही है। इस योजना का वास्तविक लाभ जरूरतमंद लोगो को मिल रहा है। इसके लिए यह और भी जरूरी है कि इन योजनाओं का प्रचार–प्रसार और तेजी से किए जाए और वास्तविक हितग्राहियों को **योजनाओ** की जानकारी मिल सके। ग्रामीण सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में आज सभी दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी का अभाव महसूस किया जाता है। शासन द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से ग्राम विकास के लिए अनेक योजनाएं बनायीं जा रही है। भविष्य में ग्रामवासी इन योजनाओं का सर्वाधिक लाभ लेकर अपने जीवन स्तर को ऊँचा उठाकर आने वाले पीढ़ी को रोजगार के सशक्त माध्यम उपलब्ध करा सकेंगे, इन्ही सब तथ्यों का अध्ययन करना प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. मध्यप्रदेश राज्य के बैतूल जिला में संचालिक कृषि विकास संबंधी योजनाओं का विश्लेषण करना।
2. कृषि विकास योजनाओं का ग्रामीण विकास में प्रभाव का अध्ययन करना।

3. कृषि विकास योजनाओं का कृषको पर प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाएँ

1. ग्रामीण विकास हेतु बैतूल जिले में ग्रामीण विकास की योजनाएं संचालित की जा रही है।

2. कृषकों को इन योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राप्त हो रहा है।

शोध प्रविधि –

प्रस्तुत अध्ययन में मूलतः राज्य शासन के कृषि है। विभाग के प्रकाशित द्वितीयक समंको को प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अनुसंधान विश्लेषणात्मक प्रकृति का है जिसमें समंको का विश्लेषण अध्ययन के उद्देश्यों के अनुरूप किया गया है।

विश्लेषण की विधि –

इस हेतु विभिन्न सांख्यिकीय विधियों के साथ–साथ संयुक्त वृद्धि दर एवं प्रतीपगमन विश्लेषण के माध्यम से ज्ञात किया गया है। संयुक्त वृद्धि दर (CAGR) में स्वतंत्र चर समय अवधि वर्ष में है जबकि आश्रित चर जिसका सूत्र निम्नानुसार है–

$y=a+b1x1+b2x2+b3x3+b4x4+b5x5+b6x6+b7x7+u$

यहाँ पर a = स्थिरांक, b_1–– b_7 विभिन्न योजनाओं का बीटा गुणांक

y= बैतूल जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी (in lacks Rs.).

X_1=खरीफ बीज वितरण मात्रा (Qt.)X_2= रबी बीज वितरण मात्रा (Qt.)

X_3 = खरीफ, उर्वरक वितरण मात्रा (Qt.)X_4= रबी उर्वरक वितरण मात्रा (Qt.)

X5= हस्तचलित बैलचलित कृषि यंत्र वितरण मात्रा (NOS).

X6 = शक्ति चलित कृषि यंत्र वितरण मात्रा (NOS)

X_7 = शाकम्भरी सिंचाई पम्प वितरण राशि (Rs)

U= रेण्डम चर

उपरोक्त बीटा गुणांकों को आंकलित कर उनकी सार्थकता परीक्षण 1 प्रतिशत और 5 प्रतिशत प्रयिकता स्तर पर किया गया है।

मध्यप्रदेश राज्य कृषि के दष्टिकोण से विकास की ओर अग्रसर राज्य है। वर्ष 2014–15 में कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए राज्य को कृषि कर्मण पुरस्कार की पुनः प्राप्ति हुई है। मध्यप्रदेष के 55 जिलों में से बैतूल जिला कृषि उत्पादन में अग्रणी है। मध्यप्रदेष शासन द्वारा कृषि विकास योजनाओं के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य प्रवर्तित विभिन्न योजनाएं प्रत्येक जिले में क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित कर रहा है। मध्यप्रदेष राज्य की स्थापना वर्ष 1956 में हुई तथा विकासखंड वार एवं जिले वार समंक वर्ष 2003–04 से उपलब्ध रहे है। इन वर्षों में जिलों में कृषि विकास की योजनाओं में आबंटित राशि वितरित मात्रा एवं लाभान्धित कृषकों की संख्या का विस्तृत वितरण निम्नानुसार विश्लेषित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य के विभिन्न कृषि योजनाओं, जिन्हें स्वतंत्र चर के रूप में लिया गया है का आश्रित चर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी पर आंकलित किया गया है। तालिका क्रमांक 2 से स्पष्ट है कि खरीफ, बीज वितरण की मात्रा का आश्रित चर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका बीटा गुणांक–2.056 प्राप्त हुआ है। जो कि 1 प्रतिशत प्रायिकता स्तर पर सार्थक है। अर्थात इस योजना का जी.डी.पी. पर कृषि के योगदान पर ऋणात्मक सार्थक असर हुआ है।

तालिका 01– विभिन्न योजनाओं की संयुक्त वृद्धि दरों का विष्लेषण

स्वतंत्र चर	संयुक्त वृद्धि दर संबंधित योजना	संयुक्त वृद्धि दर लाभांवित कृषक
योजना– खरीफ बीज वितरित मात्रा Quintal	24–614	24.614
योजना– रबी बीज वितरण Quintal	16.135	16.132
योजना– खरीफ उर्वरक वितरण in Tonnes	5.718	0.706
योजना– रबी उर्वरक वितरण in Tonnes	24.60	5.453
योजना– हस्तचलित बैल चलित कृषि यंत्र वितरण in Numbers	69.789	82.723
योजना– शक्ति चलित कृषि यंत्र वितरण पद in Numbers	22.811	21.405
योजना– शाकम्भरी योजनांतर्गत पम्प वितरण वित्तीय	Not Computed*	Not Computed*

योजना 2005 के बाद लागू होने के कारण वृद्धि दर की गणना नहीं कि गई। स्त्रोत अंकगणित

बैतूल जिले की कृषि विकास योजनाओं को विभिन्न समय अवधि के लिए मध्यप्रदेष राज्य बनने के बाद की अवधि के आधार पर तालिका 1 के माध्यम से वृद्धि दरों की गणना के आधार पर मूल्यांकित किया जा रहा है। योजना खरीफ बीज वितरण वितरित मात्रा मूल्यांकित समय अवधि में 24.61 प्रतिशत की दर से धनात्मक वृद्धि आंकगणित की गयी है। स्पष्ट है कि यह दर सार्थक है। इसी अवधि में लाभान्वित कृषक की संयुक्त वृद्धि दर 24.61 पायी गयी। मह भी सामान्य वृद्धि दरो से कहीं अधिक है। योजना रबी बीज वितरण की वार्षिक वृद्धि दर 16.135 प्राप्त हुई है जो कि एक अच्छी वृद्धि दर है। इसी प्रकार लाभान्वित कृषकों की संख्या भी इसी दर पर बढ़ी है। खरीफ और रबी उर्वरक वितरण योजना की संयुक्त वृद्धि दरें क्रमशः 5.71 और एवं 24.600 है। जो कि व्यक्त करती है कि खरीफ उर्वरक वितरण की वृद्धि दर सर्वाधिक कम रही है। यद्यपि यह सामान्य वृद्धि दर से अधिक ही है। परन्तु बैतूल जिले में लागू अन्य कृषि योजनाओं की तुलना में कम है। जहाँ तक रबी उर्वरक वितरण की मात्रा का प्रश्न है तो यह सार्थक रूप से लगातार धनात्मक विकास की ओर लक्षित है। यह दर इस ओर इंगित करता है कि रबी फसलों के क्षेत्रों और योजनाओं को और विस्तृत करने की आवश्यकता है। लाभान्वित कृषको की वृद्धि दर चूंकि खरीफ उर्वरकों हेतु न्यूनतम है जो कि बतलाता है कि मध्यप्रदेश विशेष रूप से बैतूल जिले के कृषक इन उर्वरकों का प्रयोग ठीक से नहीं कर पा रहे है।

हस्तचलित बैलचलित यंत्र वितरण में संयुक्त वृद्धि दर 69.78 और कृषकों हेतु 82.72 है। जो कि बतलाता है कि मध्यप्रदेष राज्य के कृषकों का रूझान अभी भी यंत्र चलित कृषि की ओर अपेक्षाकृत कम है। शाकम्भरी योजना अंतर्गत पम्प वितरण के लिए जो वित्तीय राशि उपलब्ध करायी गई। वह 2005 से प्रारंभ हुई है। अतः इस घर का संयुक्त वृद्धि दर ज्ञात नहीं किया गया है। यद्यपि सिंचाई पम्पों की संख्या तथा लाभान्वित कृषक संख्या 2005 से 2012 की अवधि में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है।

तालिका 2– प्रतीपगमन विष्लेषण

स्वतंत्र चर	Coefficient	P-value
स्थिरांक	–131895.6787	0.0081
योजना– खरीफ बीज वितरित मात्रा Quintal	–2.0564	0.0087
योजना– रबी बीज वितरण Quintal	24.6231	0.0035
योजना– खरीफ उर्वरक वितरण in Tonnes	5.6831	0.0043
योजना– रबी उर्वरक वितरण in Tonnes	1.2231	0.0207
योजना– हस्तचलित बैल चलित कृषि यंत्र वितरण in Numbers	–0.0050	0.2159
योजना– शक्ति चलित कृषि यंत्र वितरण पद in Numbers	211.8712	0.0043
योजना– शाकम्भरी योजनांतर्गत पम्प वितरण वित्तीय in Lakhs	–69.1561	0.0120

स्त्रोत– आंगणित

इसी प्रकार रबी बीज वितरण की मात्रा का आश्रित चर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी पर ऋणात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका बीटा गुणांक – 24.62 प्राप्त हुआ है। जो कि 1 प्रतिशत प्रायिकता स्तर पर सार्थक है। अर्थात् इस योजना का जी.डी.पी. पर कृषि के योगदान पर ऋणात्मक सार्थक, असर हुआ है। स्वतंत्र चर हस्तचलित–बेलचलित कृषि यंत्र का जिले की सकल जी.डी.पी. पर कृषि के योगदान पर ऋणात्मक गैर सार्थक प्रभाव देखा गया है। तालिका से स्पष्ट है कि इस चर की पी मूल्य 0.215 है।

शाकम्भरी योजना के अतर्गत सिंचाई पम्प वितरण 1 प्रतिशत स्तर पर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी पर ऋणात्मक सार्थक असर डाल रहा है अर्थात जिले में इस कृषि योजना का अत्यंत सार्थक प्रभाव देखा गया है। इस चर का बीटा गुणांक – 69.15 प्राप्त हुआ। इस चर की पी मूल्य 0.120

शेष चरो में रबी उरर्वक वितरण 5 प्रतिशत स्तर पर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी पर धनात्मक सार्थक असर डाल रहा है अर्थात जिले में इस कृषि योजना का अत्यंत सार्थक प्रभाव देखा गया है। इस चर का बीटा गुणांक 1.223 प्राप्त हुआ। इस चर की पी मूल्य 0.020

खरीफ उरर्वक वितरण एक प्रतिशत स्तर पर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी पर धनात्मक सार्थक असर डाल रहा है अर्थात जिले में इस कृषि योजना का अत्यंत सार्थक प्रभाव देखा गया है। इस चर का बीटा गुणांक 5.683 प्राप्त हुआ। इस चर की मूल्य पी 0.004 है।

शक्ति चलित कृषि यंत्र वितरण एक प्रतिशत स्तर पर जिले के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी घर धनात्मक सार्थक असर डाल रहा है अर्थात जिले मैं इस कृषि योजना का अत्यंत सार्थक प्रभाव देखा गया है। इस चर का बीटा गुमांक 211.87 प्राप्त हुआ। इस चर की मूल्य 0.004 है।

तालिका 3–ANOVA विष्लेषण

ANOVA	df	F	Significancef
Regression	6	121677.5363	0.00220737
Residual	0.5	101532.521	0.00103212
Total	6.5		

स्त्रोत अंक गणित

प्रतीपगमन विश्लेषण से स्पष्ट है कि कृषि विकास योजनाओं में से हरित क्रांति से प्रभावित खरीफ उर्वरक वितरण शक्ति चलित कृषि यंत्र वितरण का एक जिले की सकर जी.डी.पी पर कृषि क्षेत्र का योगदान पर सार्थक प्रभाव पड़ा है। ANOVA विश्लेषण से स्पष्ट है कि स्वतंत्र संख्या पर F मूल्य 1 प्रतिशत प्रायिकता स्तर पर सार्थक है। अर्थात प्रतीपगमन मॉडल बेस्ट फिट है।

मध्यप्रदेष राज्य एक प्रगतिशील कृषि प्रधान राज्य है जिसमें बैतूल जिले की कृषि योजनाओं का व्यापक असर विकास के संकेतको पर दृष्टिगत होता है। सुझाव के रूप में कह सकते है कि जिले में कृषि विकास योजनाओं का और अधिक असर पड़े इस हेतु इस जिले में कृषि योजनाओं के लिए जारी राशि की मात्रा बढ़ाते हुए सरकारी तंत्र को और कारगर तरीके से कार्य करना होगा।

संदर्भ–

1. कृषि समंक मध्यप्रदेश शासन 2023

2. भारत 2023

3. बैतूल जिले की विभिन्न कृषि योजनाएं, कृषि विभाग मध्यप्रदेश शासन 2023

4. मध्यप्रदेश शासन की अधिकृत वेबसाइट https://mpkrishi.mp.gov.in